फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL
EXPLORE LEARN LEAD

हिंदी की मासिक पत्रिका

(मई, 2022)

दुनिया में ईश्वर का रूप है माँ,
ममता की चमकीली धूप है माँ।
त्याग का प्रथम नाम है माँ,
सभी तीर्थ व चारों धाम है माँ।

माँ ईश्वर का उपहार है,
उसके संग खुशियाँ अपार हैं।
माँ जीवन के तुल्य है,
माँ जग में सबसे अमूल्य है।

अजितेश(7अ)

जिसकी नज़रों से देखी दुनिया,
जिसके आँचल में है खुशियाँ,
जिसके कदमों में है सारा जहाँ,
हर मर्ज़ की दवा है माँ।
मेरा पहला प्यार है माँ,
उस पर कुर्बान है मेरी जान।

सूर्यांश (8अ)

सबसे श्रेष्ठ योद्धा है माँ।
आँच ना आने दे बच्चों पर,
चाहे देनी पड़े उसे अपनी जान।
माँ से होती घर में रौनक,
माँ बिना सुना जहान।

गोबिंददीप सिंह(5ब)

इस दुनिया में माँ ना होती,
तो यह जीवन कठिन हो जाता।

अशमीन (2अ)

सबसे सुंदर,सबसे प्यारी,
मेरी माँ जग से न्यारी।

रेयांश शर्मा(3ब)

माँ रखती मेरा ख्याल है,
जिसके पास है माँ,वो मालामाल है।

पृषा (3ब)

माँ को दिल में रखना है।
ममता का स्वाद चखना है।
सबने यही माना है,
माँ के संग ज़माना है।

कीथ हुसैन(7अ)

माँ है ख़ास,
पल-पल पास।
संग उसके ममता का एहसास।

ज़ौहेन(4अ)

वेदों ने जिसका गुणगान गाया है,
ममता का सागर जिसमें पाया है,
वह केवल माँ है बच्चे की,
जिसने अपना सब कुछ संतान पर लुटाया है।

ध्रुव चौहान (9अ)

मेरी माँ मेरा संसार है,
ध्यान रखती मेरा अपार है।
माँ संग रहना मुझे हमेशा,
उससे मुझे बहुत प्यार है।

जयतेश(5अ)

परवाह करती हमेशा मेरी,
संग-संग उसके रहना मुझे भाता है।
मेरी माँ मेरा सर्वस्व,
वही मेरी भाग्य विधाता है।

आकांक्षा वर्मा(9अ)